ACHARYA SCHOOL OF DESIGN
LIBRARY
Date.........
BENGALURU - 560 107

AECCO4.5

Reg. No. | | | | | | | | |

I Semester B.C.A./B.Sc(FAD) Degree Examination January/February - 2025

LANGUAGE HINDI

NIBANDHA PRABHA KARYALAYI HINDI AUR SANKSHEPAN

(Under AECC NEP CBCS Semester 2021-23-24 Scheme)

Paper - I

Time : 2½ Hours **Maximum Marks : 60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य मे लिखिए। **(10×1=10)**

1) पश्चिमी सभ्यता का आधार क्या है?
2) पानी में कौन सा तत्व हैं?
3) बुध्दगया मंदिर में जापान से कौन आया था?
4) बेकार की बातों से आदमी का कौन–सा रुप खुलता हैं?
5) लेखक के साथी कितने बजे संगीत कार्यक्रम सुनने के लिए गए?
6) जीवन के आदर्शों के लिए हमें कैसे काम करना पड़ेगा?
7) 'भारतीय संस्कृति' निबंध के निब्रंधकार कौन हैं?
8) जीवन में एक अच्छे मित्र का चुनाव किस पर निर्भर करता है?
9) किसका मुकुट भीग रहा हैं?
10) छात्रावास में किसकी धुन सवार रहती हैं?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) "साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन
सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है।"
2) "मै भी स्वाति की साँस लेकर बिस्तर पर पडा
पर अर्धचेतन अवस्था में फिर जहाँ खोया हुआ था,वहीं लौट गया।"
3) "कोई ऐसा फल नहीं, जो यहाँ पैदा नहीं किया जा सके।
कोई ऐसा खनिज पदार्थ नहीं जो यहाँ के भू–गर्भ में न पाया जाता हो।"

[P.T.O.

III. 'गपशप' निबंध का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1×16=16)

(अथवा)

"भारतीय संस्कृति विविधता में एकता का प्रतीक है, जहाँ सभी धर्म, जाति एवं भाषाओं का मूलभूत आधार समन्वय है।"– 'भारतीय संस्कृति' निबंध के आधार पर उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

1) मित्रता।

2) मेरे राम का मुकुट भीग रहता हैं।

V. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8)

1) टिप्पण की परिभाषा बताते हुए उसके प्रकारों को समझाइए।

2) आलेखन किसे कहते है? उसके प्रकारों को समझाइए।

3) अपने कालेज में मनाये गये "स्वतंत्रता दिवस" के ऊपर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

VI. निम्मलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (1×7=7)

अनुशासन की आवश्यकता छात्र–जीवन के लिए सबसे अधिक है। छात्र विवेकसंगत श्रृंखला में रहने की आदत डालें। उनकी क्षमता बिखर कर नष्ट ना होने पाए। इसके लिए छात्रों को व्यवहारिक जीवन में अनुशासन के नियमों का पालन करना परमाश्वक है। जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन की आवश्यकता पडती है। केवल विद्यालय में नही, वरना परिवार एवं समाज में भी अनुशासन के नियमों को पालन करना परमावश्यक है। जीवन के हर क्षेत्र मे अनुशासन की आवश्यकता पडती है। पुरा सृष्टी और पुरा ब्रम्हाड भी अनुशासन से बंधा हुआ हैं। जीवन में अनुशासन न हो तो हम आसानी से अराजकता के शिकार हो जायेगे।